An Initiative of CollCom

collcom
Empowering Youth through Community Service

ISSN: 2583-9969

Vol 11, Issue October 2023

CYBER संस्कार

साइबर अपराध के खिलाफ एक कदम

प्रीतेश मिश्रा
डॉ गौरव कुमार

Online Shopping Fraud!

साइबर संस्कार : Online Shopping Fraud !

प्रीतेश मिश्रा, डॉ गौरव कुमार

प्रकाशक : कॉलकम

1043/2, मेहरावाली अपार्टमेंट,
महरौली नई दिल्ली, 110030, भारत

संपर्क: +91 -9868189955

ईमेल: pr@collcom.org

वेबसाइट: www.collcom.org

© कॉलकम

प्रथम संस्करण : अक्टूबर 2023

मूल्य : ₹ 49

मुद्रक : कॉलकम, इंडिया

ISSN : 2583-9969

विषय-सूची

Online Shopping Fraud

- परिचय
- फ्रॉड के विभिन्न तरीके
- सच्ची घटनाओं के माध्यम से फ्रॉड को समझना
- बचने के उपाय और सत्यता की जांच के तरीके
- फ्रॉड होने पर शिकायत कहाँ करे ?

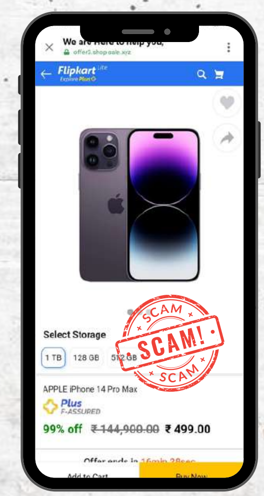

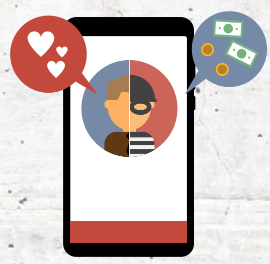

SPECIAL REPORT

'Online Shopping' करने के नाम पर ठगी का अंबार!

WARNING

bt Business Today

News / LATEST / Economy Politics / Beware online shoppers! India sees near 14,000 cases of frauds since Aug 2016

Beware online shoppers! India sees near 14,000 cases of frauds since Aug 2016

Online shopping scams: Piyush Goyal said that the government has the Consumer Protection Act, 1986 to safeguard the interests of the consumers

NDTV

Live TV | India | Elections | Trendin

This Article is From Apr 26, 2023

4 Arrested For Online Shopping Fraud Worth Rs 8 Lakh In Delhi

Deputy Commissioner of Police (Shahdara) Rohit Meena said they analysed the call detail records of the suspect and used other technical surveillance methods to identify him.

INDIA TODAY | DAILYO | NORTHEAST | MALAYALAM | BUSINESS TODAY | BT BAZAAR | WEB3CAFE | AAJ TAK | LALLANTOP

INDIA TODAY

Home / Technology / News / Senior citizen loses Rs 8.3 lakh while shopping for towels online, full story

Senior citizen loses Rs 8.3 lakh while shopping for towels online, full story

The 70-year-old woman from Mumbai was making a purchase of Rs 1,169 online, however, Rs 19,005 was debited from her account. She called the bank helpline number but later got duped for a total of Rs 8.3 lakh.

Home | Cities | Explained | Opinion | Business | Entertainment | Sports | Politics | Lifestyle | Tech | Investigations | Research | SUBSCRIBE

News / Cities / Ahmedabad / Online shopping scam: 2 held for Rs 12-lakh fraud in Ahmedabad

Online shopping scam: 2 held for Rs 12-lakh fraud in Ahmedabad

The two have been identified as Gautam Barad (19) from Amreli and Nilesh Babaria (21) from Junagadh who have been booked under IPC sections 120b for criminal conspiracy, 419 for cheating by impersonation and sections of the Information Technology (Amendment) Act.

latestly.com

Home / India / News

Online Shopping Scam: Curb Malpractices Like 'Dark Pattern', Government Asks E-Commerce Entities Like Amazon and Flipkart

Aiming to curb malpractices in online shopping

Hindi News | India | Online Shopping Fraud Cyber Fraud Online Fraud Festiva Offer

Online Shopping : फेस्टिव सीजन में ठग फेंक रहे 'ऑफर' का जाल, करेंगे ये गलती तो हो जाएंगे 'कंगाल'

वीडियो | डिवोशन | क्राइम | NCR समाचार | हेल्थ केयर | गुलक

Zee Delhi-NCR-Haryana › Delhi-NCR-Haryana

Online Shopping Fraud: आकर्षक ऑफर का झांसा देकर की लाखों की ठगी, पुलिस ने किया गिरफ्तार

Delhi Crime News: शापिंग साइटों पर आकर्षक ऑफर का झांसा देकर ठगी करने वाले दो ठगों को गिरफ्तार किया है. वहीं पुलिस ने शिकायत के आधार पर 2 लोगों को गिरफ्तार किया है.

Written By Zee Media Bureau | Last Updated: Oct 12, 2023, 11:48 AM IST

Times Now Navbharat | Zoom | ET Now | Times Drive | Mirror Now | ET Now Swadesh | Times

MIRROR NOW

Home | Mirror Now | Crime | In Focus

TRENDING: Delhi Air Pollution | Bengaluru Rains LIVE | Donald Trump | Bigg Boss 17 | Mahadev App

Home > Mirror Now > Crime

Online fraud in MP: Woman duped of Rs 4.83 lakh by cyber fraudster while purchasing laptop online

Aaj Tak

Hindi News / टेक्नोलॉजी /

Online Fraud: ऑनलाइन सर्च और महिला ने गंवा दिए 5 लाख रुपये, भूलकर भी ना करें ये गलती

Online fraud का एक नया मामला सामने आया, जहां महिला ने 5 लाख रुपये गंवा दिए. इसमें महिला ने पार्ट टाइम जॉब के लिए ऑनलाइन सर्चिंग की और ज्यादा कमाई के चक्कर में स्कैम का शिकार हो गई. इस ऑनलाइन फ्रॉड में महिला को Work From Home पर रहते हुए पार्ट टाइम जॉब का लालच दिया था. शुरुआत में उसे करीब 2400 रुपये का रिटर्न भी मिला. आइए इसके बारे में डिटेल्स जानते हैं और इससे बचाव के तरीके भी देखते हैं.

अमर उजाला

होम > कारोबार > बिजनेस डायरी | बाजार | स्टार्टअप्स | कॉर्पोरेट | पर्सनल फाइनेंस | क्रिप्टोकरेंसी | बैंकिंग

Online Fraud: त्योहारी सीजन में ऑनलाइन खरीदारी के दौरान 40% लोग ठगी का शिकार हुए, स्टडी में दावा

बिजनेस डेस्क, अमर उजाला, नई दिल्ली Published by: विवेक दास Updated Tue, 01 Nov 2022 07:17 PM IST

SPECIAL REPORT

ONLINE SHOPPING FRAUD!

आजकल हम शॉपिंग अधिकतर ऑनलाइन करना पसंद करते है और एक आंकड़े को देखे तो वर्तमान में e-commerce Market का विस्तार लगभग $63 बिलियन डॉलर तक पहुँच गया है। एक बहुत बड़ी जनसंख्या इ-कॉमर्स का उपयोग कर रही हैं जिसका साइबर स्कैमर्स बखूबी फ़ायदा उठा रहे हैं।

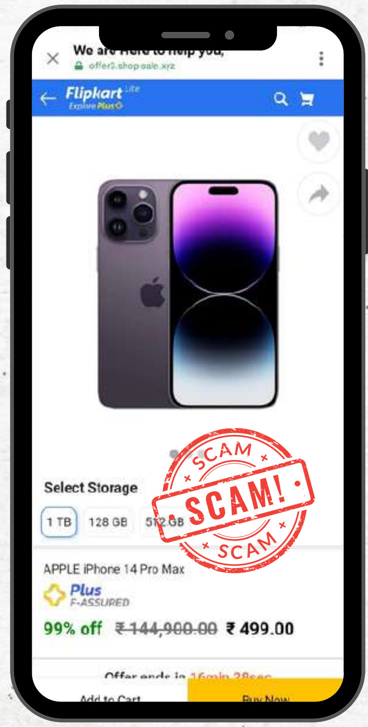

जूनिटेर रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार 2023 में वैश्विक स्तर पर ई-कॉमर्स ऑनलाइन धोखाधड़ी के कारण **48 बिलियन अमेरिकी डॉलर** का नुकसान होने का अनुमान लगाया गया है, जबकि यह 2022 वर्ष **41 बिलियन अमेरिकी डॉलर** ही था ।

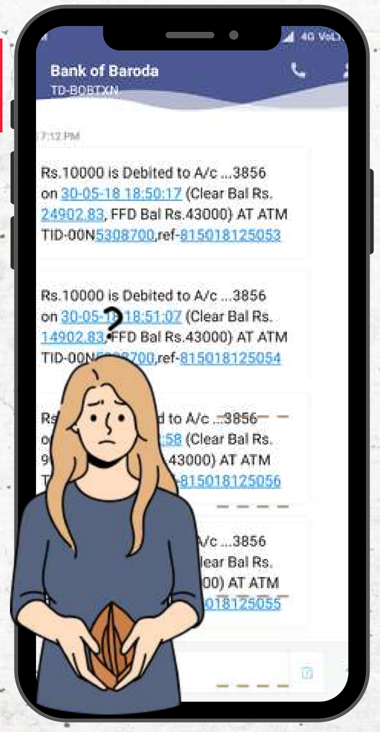

Online Shopping फ्रॉड क्या है?

ऑनलाइन शॉपिंग घोटालों में ठग **फर्जी वेबसाइट** या वास्तविक खुदरा विक्रेता साइट पर **नकली विज्ञापन** के जरिए वैध ऑनलाइन विक्रेता होने का दिखावा करके लोगो के साथ **ठगी** करते है अर्थात वर्तमान में फर्जी वेबसाइट वास्तविक जैसे ही दिखाई देती है और जब आप उस वेबसाइट से शॉपिंग करते है तो ठगी के शिकार बन जाते है।

इसे थोड़ा और बेहतर तरीके से समझने व इससे बचने के लिए हम अगले पेज का अनुसरण करेंगे।

ONLINE SHOPPING FRAUD के विभिन्न तरीके

Social media के माध्यम से

अक्सर हमे फेसबुक/इंस्टाग्राम पर शॉपिंग के लिए **Advertisement** (Sponsored Ad) देखने को मिलता हैं, जो बहुत ही कम कीमत पर महँगी वस्तुओं को सेल (बेचने) करने का दावा करते हैं। जैसा की आप नीचे देख सकते है –

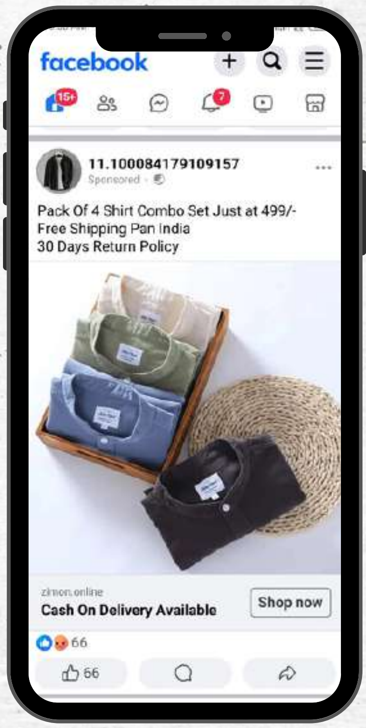

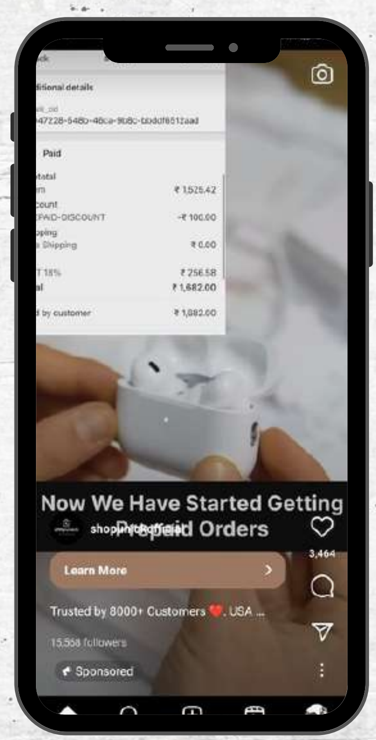

जब आप इस तरह के लुभावने ऑफर पर क्लिक करते है तो बहुत सारे लोगो के **Positive Reviews** (कमेंट) दिखता हैं जिसे आप पढ़कर उस वस्तु को खरीदने के लिए और आकर्षित हो जाते है । जब आप उसको खरीद लेते है तो आपको वो वस्तु डिलीवर नही होती या फिर उसके स्थान पर बेहद ही खराब/भिन्न वस्तु प्राप्त होती है, और आप ठगी के शिकार बन जाते है।

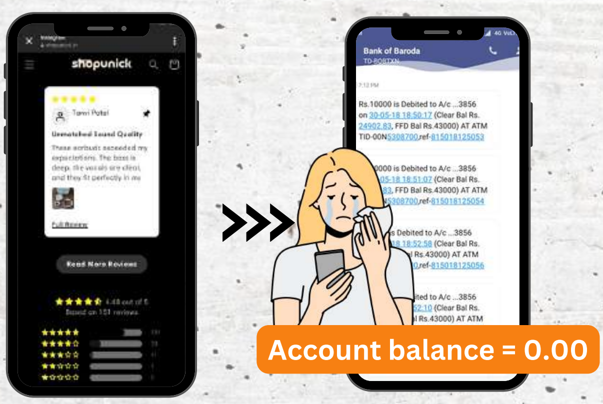

SPECIAL REPORT

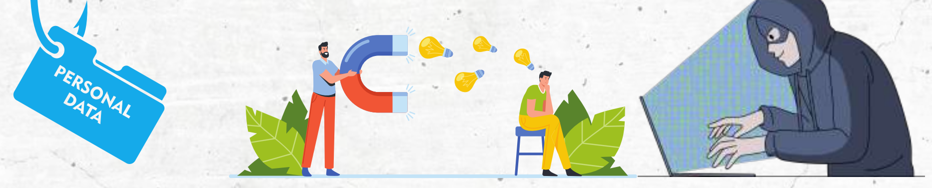

WhatsApp के माध्यम से

अक्सर जब त्यौहारों का समय आता है तो ठगो द्वारा इस तरह के संदिग्ध लिंक के साथ जुड़े हुए खास **ऑफर / सर्वेक्षण** (Survey) **वाले संदेश भेजे जाते हैं।**

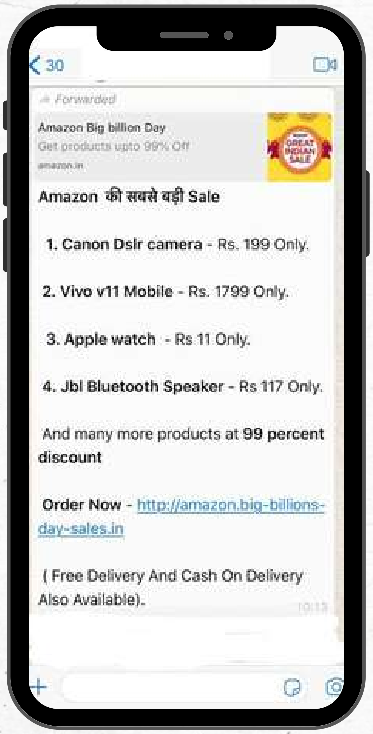

आप जैसे ही इस तरह के लिंक पर क्लिक करते है आपके सामने बहुत ही सरल प्रश्न, छोटे-छोटे गेम्स और अन्य कई विकल्प मिलते है। साथ ही नीचे कुछ फेक बनायी गई Reviews (कमेंट) होती है, जिसमे लोग ईनाम जितने का दावा कर रहे होते है, परंतु **ये सब एक भ्रम और ठगो का माया जाल होता है।** आप जितना इस खेल में आगे बढ़ते है आपका निकलना उतना ही मुश्किल हो जाता है और अंत में आप **ठगी के शिकार** बन जाते है।

कभी-कभी ये लिंक मैलवेयर या वायरस द्वारा प्रभावित होते है, और जैसे ही आप इन लिंक पर क्लिक करते है आपके मोबाइल में उपस्थित सभी जानकारी ठगो के पास पहुंच जाती हैं।

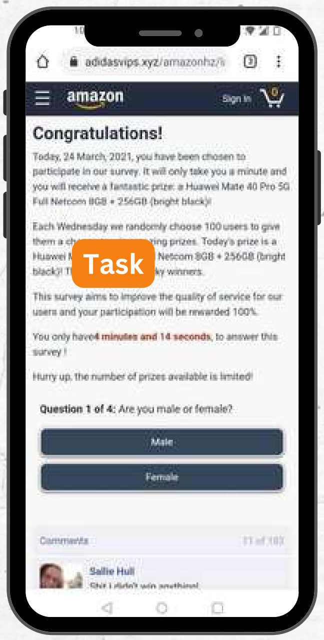

Account balance = 0.00

ध्यान रखे, व्हाट्सप्प या मैसेज या ईमेल के माध्यम से आये ऑफर लिंक पर हमे क्लिक करने से बचना चाहिए।

SPECIAL REPORT

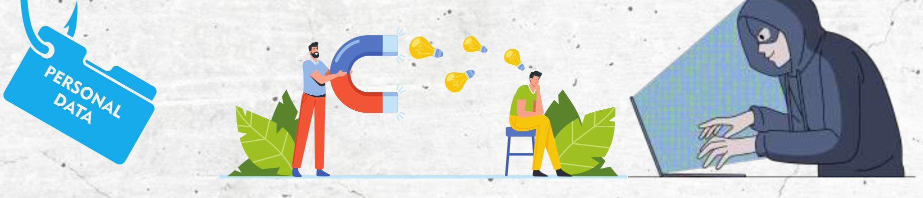

Text Message के माध्यम से

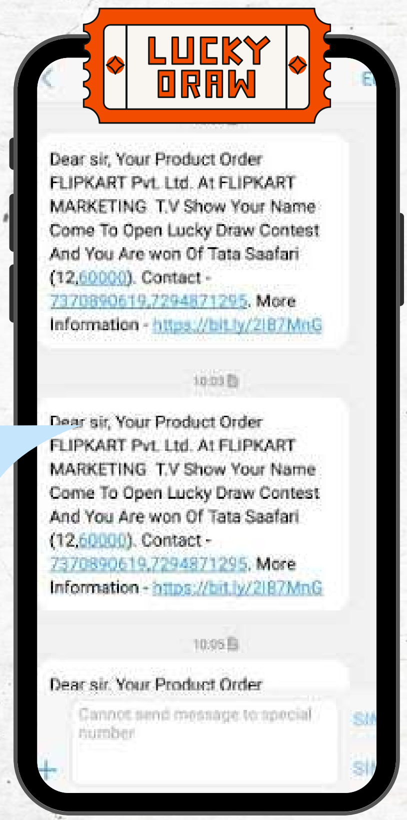

कभी-कभी दुर्भावनापूर्ण संयोग से इस तरह के फ्रॉड के मामले सामने आते है, ऐसा तब होता है जब आप Flipkart या किसी अन्य प्रतिष्ठित शॉपिंग वेबसाइट से हाल में ही ऑर्डर किए होते है और कुछ दिन बाद इस तरह के संदेश प्राप्त होते है-

"आपने हाल ही में जो फ्लिप्कार्ट से ऑर्डर किया वह **लकी ड्रॉ** में निकला है, और आप **टाटा सफारी कार/कैश जीत गए है**, क्लेम करने के लिए लिंक पर क्लिक करे या दिए नंबर पर संपर्क करे ।"

क्योंकि ठग समझते है कि अधिकतर लोग फ्लिपकार्ट या एमेजॉन से शॉपिंग करते हैं, और वो इस तरह के संदेश सभी को शेयर करते है, अब उस समय जो लोग सच में शॉपिंग किए होते है इस संदेश पर भरोसा कर लेते है।

जैसे ही आप उनसे संपर्क करते है, वो आपको पहले इस लकी ड्रॉ के बारे में बताते है, और ये भी बताते है की आप कैसे ये कार या अमाउंट क्लेम कर सकते है।

लकी ड्रॉ को क्लेम करने के लिए आपको एक छोटा सा रजिस्ट्रेशन शुल्क भुगतान करने को कहा जाता है।

और यदि आप ये सोचते है की मिलने वाले पैसे या कार के आगे ये शुल्क कुछ नही है, तो आप ठगी के शिकार बन जाते है।

ध्यान दे, ऑनलाइन शॉपिंग करने के पश्चात इस तरह के आये लकी ड्रा मैसेज से सतर्क और सावधान रहे।

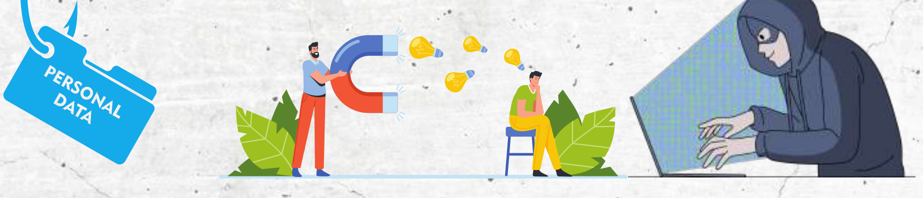

Google Search के माध्यम से

हम अक्सर ऑनलाइन शॉपिंग करने के लिए ज्यादा से ज्यादा ऑफर/कैशबैक डिस्काउंट की तलाश में रहते है और इसके लिए गूगल का सहारा लेते है।

जब आपको एक स्मार्ट फोन/ अन्य कोई भी वस्तु खरीदना होता है तो आप Google पर सर्च करते है और आपको कुछ ऐसे परिणाम दिखते है।

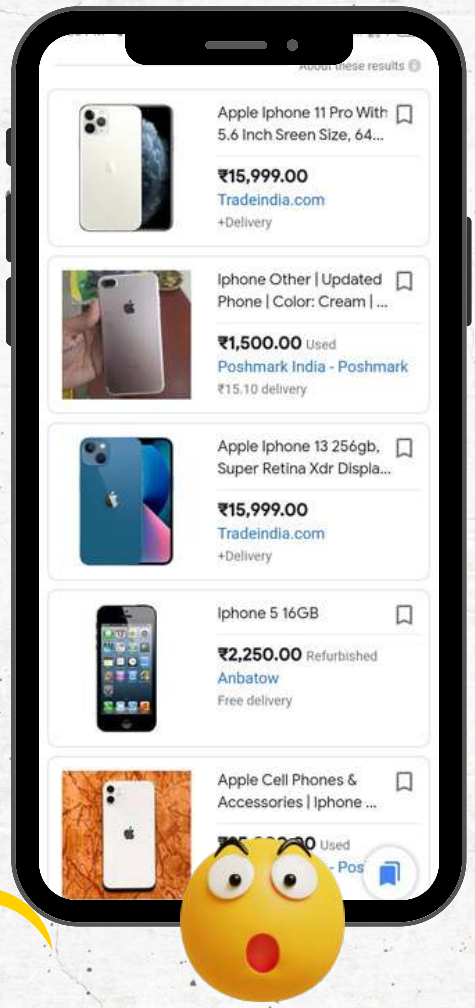

प्राप्त परिणामों में सभी वेबसाइट वास्तविक नही होती है, आपको फेक वेबसाइट पर उस वस्तु की कीमत बहुत ही कम दिखाया जाता है, और जैसे ही आप उस मोबाइल फोन /अन्य वस्तु के लिए भुगतान करते है , आप ठगी के शिकार बन जाते है।

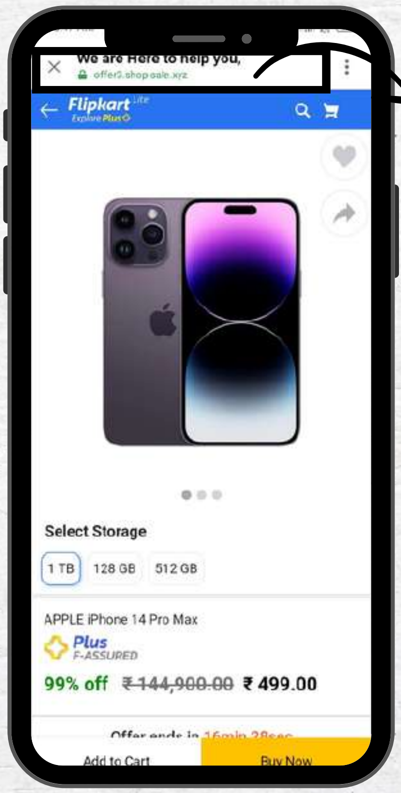

Fake URL

Real URL

अत: सस्ती दिखने वाली वस्तुओं की कीमत पर आंख मूंद कर भरोसा न करे, ये एक ठगी का जाल हो सकता हैं।

SPECIAL REPORT

कहानी ठगी का तरीका

ये कहानी है बैंगलोर की एक युवती (अंकिता) की जो इंस्टाग्राम पर कपड़े खरीदने के चक्कर में 8000 रुपए गवां देती है आइए समझते है कैसे ?

अंकिता सामान्य दिन की भाती इंस्टाग्राम पर फीड स्क्रॉल कर रही होती है तभी उनको एक _stygirlish नाम के अकाउंट पर बहुत ही प्यारे कपड़े की ad दिखाई देती है, और देखते ही वो उन कपड़ो में से 4 कपड़ो को खरीदने का मन बना लेती है।

और उस अकाउंट पर पसंद ड्रेस के विवरण के साथ मैसेज करती है और लेने की इच्छा प्रकट करती है।

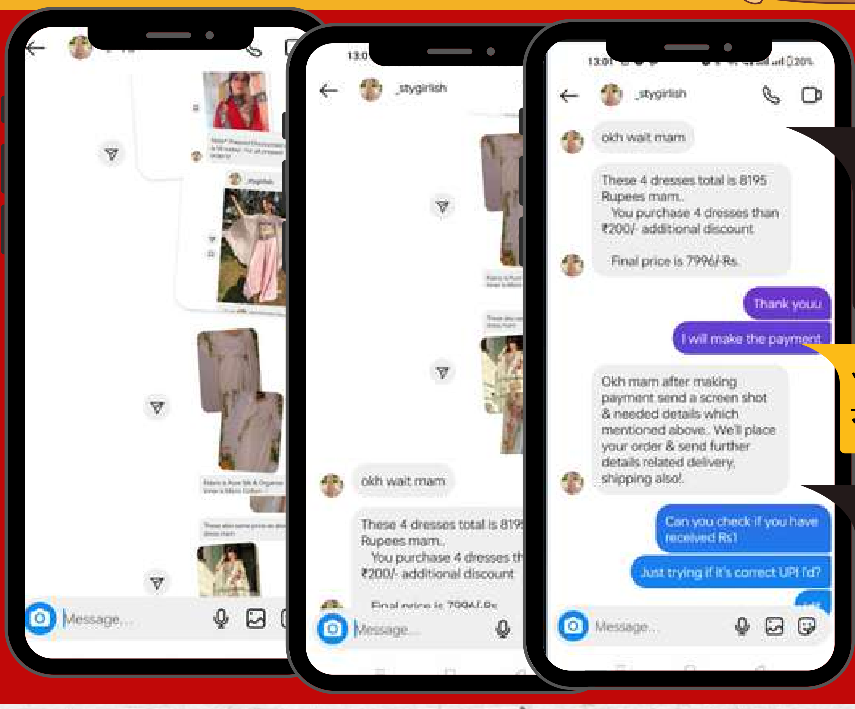

उधर से जवाब मिलता है....

ये सभी 4 कपड़ो की कीमत 8195 रुपए होंगे, चूंकि आप 4 कपड़े खरीद रही अतः आपको 200 का अतिरिक्त छूट दिया जाता है। तो आपकी छूट के बाद देय भुगतान राशि 7996-/ रुपए मात्र होंगे।

अंकिता बोलती है.... ठीक है मैं भुगतान के लिए तैयार हूँ

अच्छा तो आप भुगतान करके मुझे स्क्रीनशॉट भेजिए हम इधर से आपका आर्डर पूरा करते है।

अंकिता दिए upi id पर पेमेंट कर स्क्रीन शॉट शेयर करती है।....

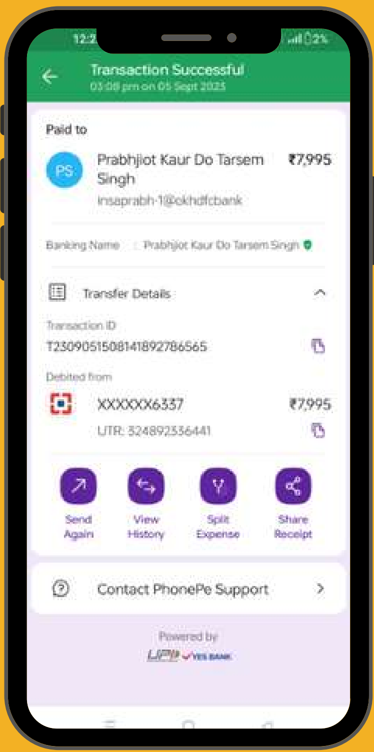

मुझे आपका पेमेंट प्राप्त हो गया है ।
अब आप मुझे नीचे लिखे कुछ जानकारी और दे
जिससे आपके पास ड्रेस आसानी से पहुंच जाए।

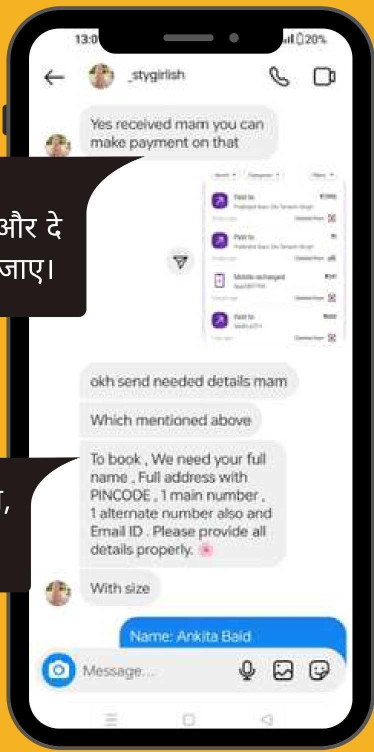

अपना पूरा नाम, पता पिनकोड के साथ,
मोबाइल नंबर, ईमेल इत्यादि।

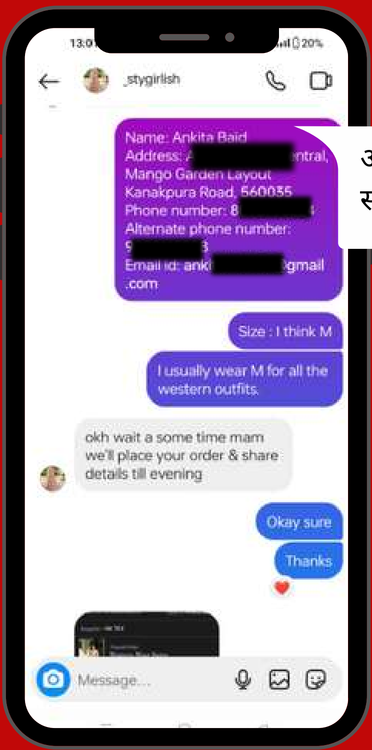

अंकिता उनके द्वारा मांगी गई अपनी सभी जानकारी सांझा करती है।

ठग द्वारा ऑर्डर किए ड्रेस की ट्रैकिंग लिंक को अंकिता से शेयर करता है।

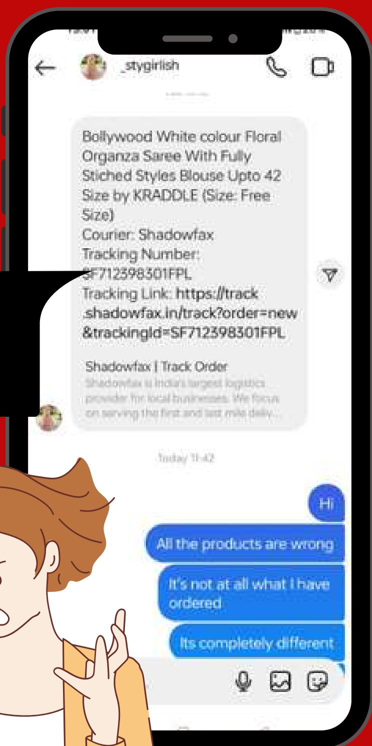

जब 3 से 4 दिन में कपड़े प्राप्त होते है तो अंकिता गुस्से में....

ये क्या ये तो पूरी तरह से अलग है।

अंकिता उन्हें मैसेज करती है परंतु उधर से अंकिता के किसी भी मैसेज का जवाब नहीं आया।

कोई जवाब नही मिलने पर अंकिता समझ चुकी थी की उनके साथ फ्रॉड हो गया है, और वो बिना देरी किए **साइबर पोर्टल** पर अपनी शिकायत दर्ज करती है।

आपके साथ ऐसी घटना न हो इसलिए अंकिता आगे क्या कहती है उनकी बात पर गौर करे -

इंस्टाग्राम या अन्य सोशल मीडिया के माध्यम से दिखने वाले सस्ते वस्तुओं के चक्कर में न पड़े।

शॉपिंग हमेशा प्रतिष्ठित वेबसाइट/ऐप (Ex- Flipkart, Amazon, Myntra इत्यादि) से ही करें ।

सतर्क रहें सुरक्षित रहें !

साइबर सुरक्षा टिप्स

केवल विश्वसनीय वेबसाइटों से ऑनलाइन खरीदारी करें और यदि संभव हो तो केवल एक भुगतान विकल्प का उपयोग करें।

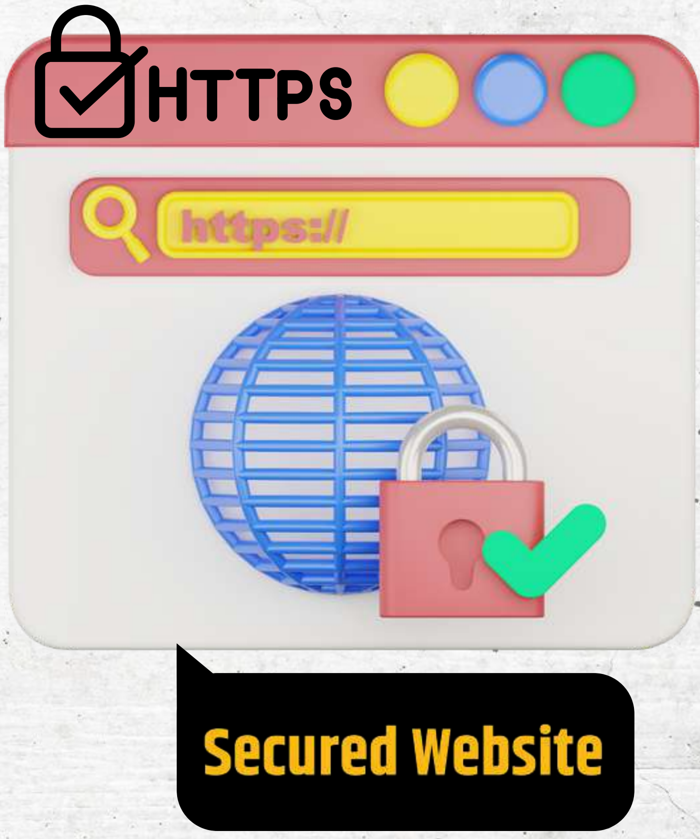

सुनिश्चित करें की अपना क्रेडिट/डेबिट कार्ड की जानकारी किसी भी शॉपिंग वेबसाइट या अपने कंप्यूटर/मोबाइल ब्राउज़र में खुद से सेव (save) न हो या न करे ।

वेबसाइट की सत्यता के जांच के अन्य तरीके।

मान लीजिए आपको किसी भी सोशल मीडिया या गूगल पर किसी वेबसाइट द्वारा खास ऑफर की ad (sponsored) दिखाई दे रही हो, तो उस स्थिती वेबसाइट की सत्यता की जांच के लिए निम्न चरणों का पालन करें -

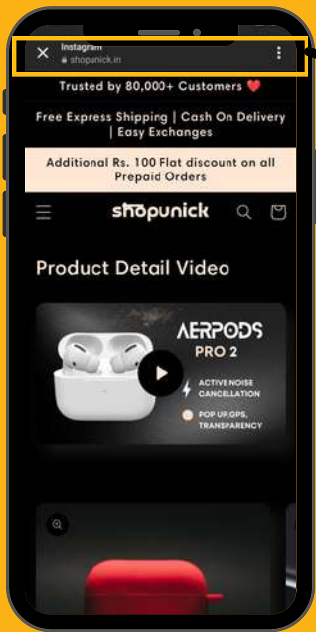

Step 1

website* की लिंक three dot पर क्लिक कर शेयर बटन से कापी करे।

*जिस वेबसाइट की जांच करनी हो।

Step 2

Google पर YIMA या www.yima.org.za सर्च करे।

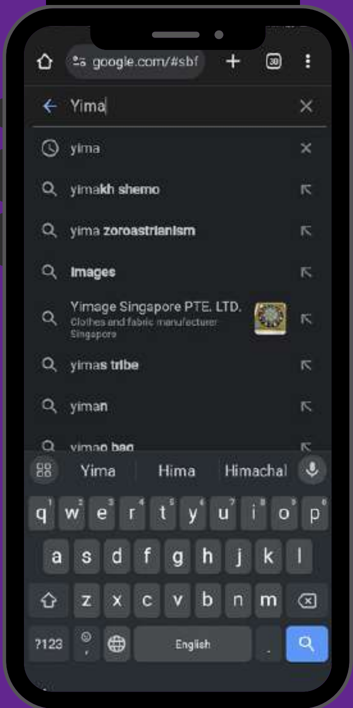

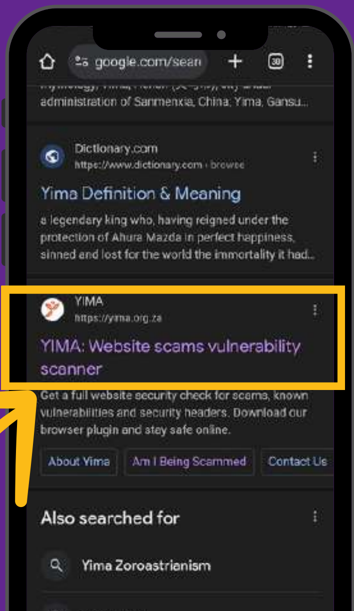

Step 3

अब इस लिंक पर क्लिक करे।

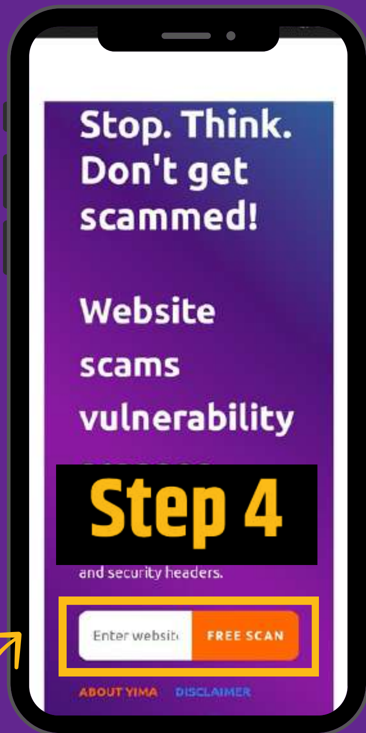

Step 4

यहाँ पर कॉपी किये गए लिंक को paste करे।

परिणाम आपके सामने है ....

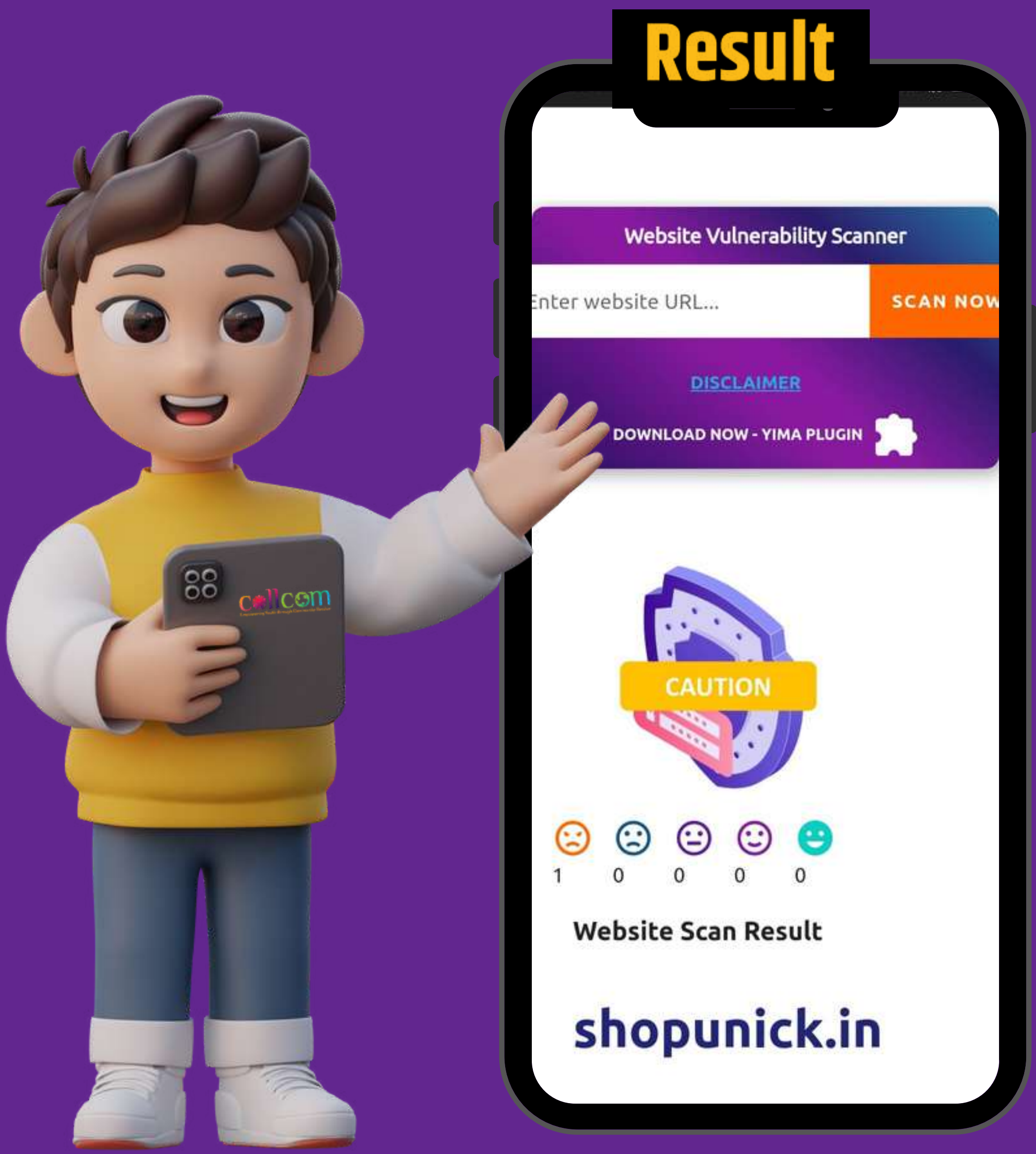

- इस वेबसाइट के माध्यम से आप किसी भी वेबसाइट की vulnerability (safe है या नही) का पता कर सकते है।
- अतः अगली बार किसी अज्ञात वेबसाइट पर अपनी जानकारी देने अथवा कुछ खरीदने से पहले उसकी जांच अवश्य करे।

सतर्क रहें, सुरक्षित रहें !

SPECIAL REPORT

साइबर सुरक्षा टिप्स

अपने कार्ड की जानकारी को सुरक्षित रखे, इसके लिए एक अच्छा पासवर्ड चुनें और इसे नियमित रूप से बदलते रहें।

अपने ऑनलाइन खातों के लिए **मजबूत पासवर्ड उपयोग करें** और कई खातों पर एक ही पासवर्ड का उपयोग न करें। Ex- Xyz#243@

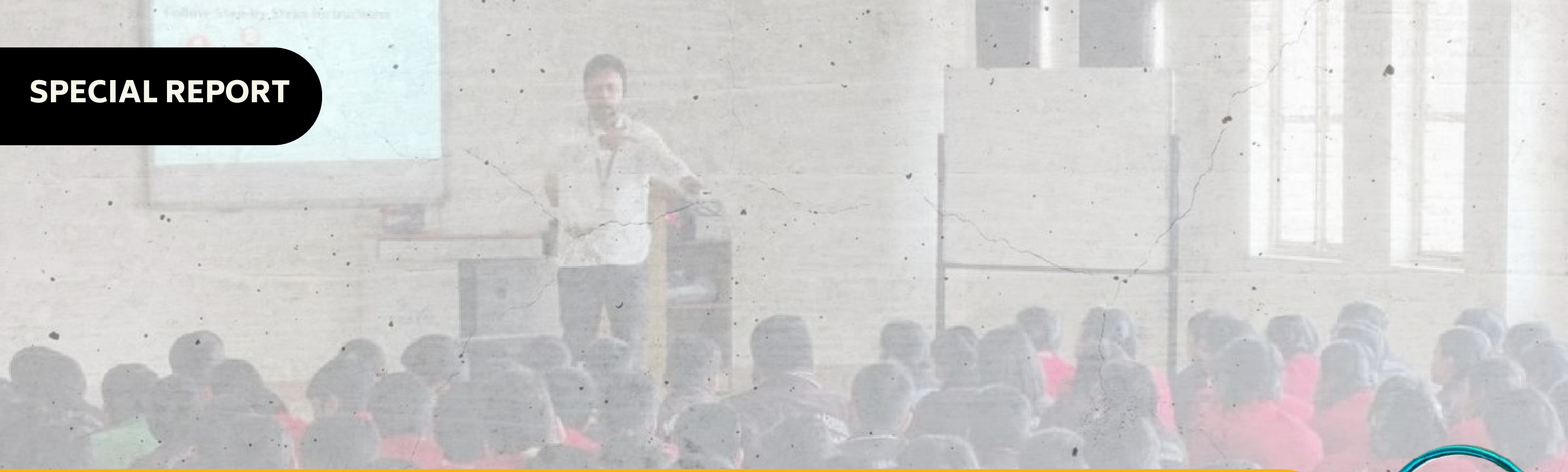

Bank details जैसे OTP, CVV, customer ID, UPI pin इत्यादि किसी भी व्यक्ति चाहे वो बैंक का कर्मचारी ही क्यों न हो, के साथ साझा न करें।

SPECIAL REPORT

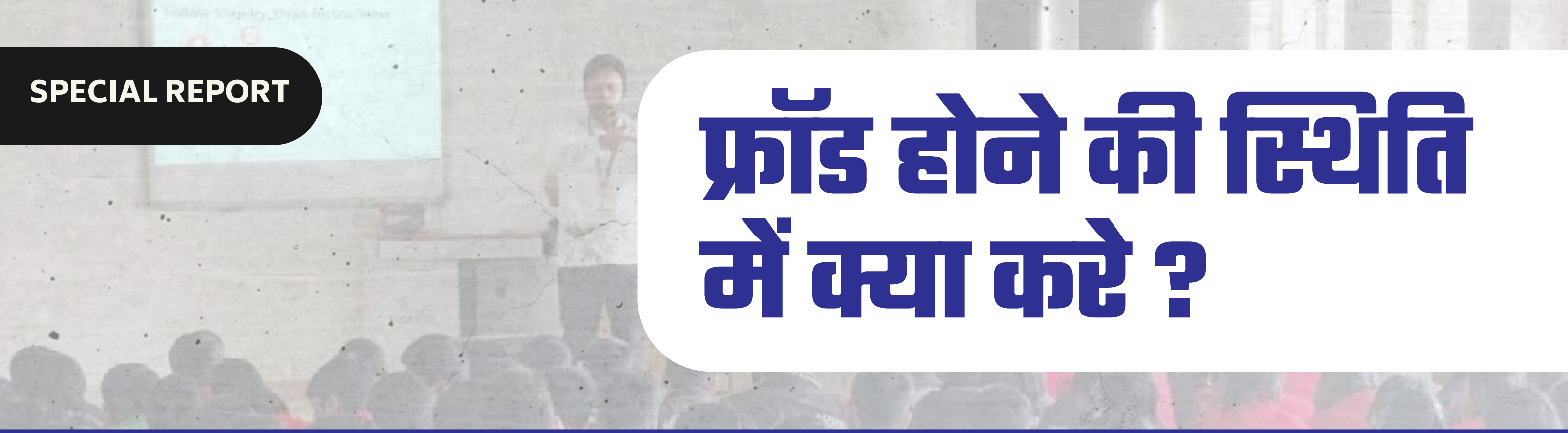

फ्रॉड होने की स्थिति में क्या करे ?

यदि आप इस तरह के फ्रॉड के शिकार हो जाते है तो तुरंत ही आप सभी chat, भेजे गए डॉक्यूमेंट, और भेजे गए पैसों के स्क्रीन शॉट के साथ www.cybercrime.gov.in or 1930 पर संपर्क कर घर बैठे बैठे अपनी शिकायत दर्ज करे । ऑनलाइन शिकायत दर्ज करने के लिए आपको साइबर पुलिस स्टेशन जाने की जरूरत नहीं होती है ।

शिकायत दर्ज करने के लिए यहां क्लिक करे और आगे के चरण का अनुसरण कर अपनी शिकायत दर्ज करे।

SPECIAL REPORT

फ्रॉड होने की स्थिति में क्या करे ?

आप अपने शहर के नजदीकी साइबर सेल में भी अपनी शिकायत दर्ज कर सकते है ताकि आपको जल्द से जल्द समाधान मिल सके।

उत्तर प्रदेश पुलिस के साइबर थानों के मोबाइल नम्बर एवं ईमेल

CLICK HERE

Delhi District Cyber Cells CLICK HERE

SPECIAL REPORT

फ्रॉड होने की स्थिति में क्या करे ?

संबंधित बैंक में जाकर/हेल्पलाइन नंबर पर अपनी शिकायत दर्ज करे।
(नीचे कुछ बैंक के हेल्पलाइन नंबर दिए है।)

Union Bank - 1800222244

SBI- 1800 11 221

ICICI - 1860 120 777

HDFC - 1800 258 616

Axis - 1860 419 5555171

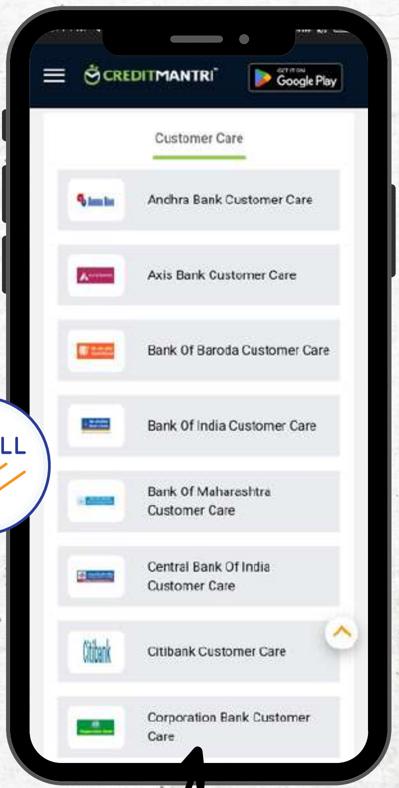

SCROLL

Some Other Banks CLICK HERE

ध्यान रहे ! हेल्पलाइन नंबर कभी गूगल पर सर्च न करे, संबंधित official website से ही प्राप्त करे।

SPECIAL REPORT

फ्रॉड होने की स्थिति में क्या करे ?

RBI कहता है..

फ्रॉड होने की स्थिति में अपने बैंक को तुरंत सूचित करें। अधिक जानकारी के लिए 14440 पर मिस्ड कॉल दें।

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA

अगर आपके **बैंक खाते से किसी ने धोखे से पैसे** निकाले हैं तो इसकी सूचना तुरंत अपने बैंक को दें। जब आप बैंक को सूचित करते हैं, तो अपने बैंक से **पावती (acknowledgement)** लेना याद रखें।

यदि लेन-देन आपकी लापरवाही के कारण हुआ है, यानी आपके द्वारा अपना पासवर्ड, पिन, ओटीपी आदि साझा करने के कारण, आपको तब तक नुकसान उठाना पड़ेगा जब तक आप अपने बैंक को इसकी सूचना नहीं देते।

यदि आपके द्वारा बैंक को सूचित करने के बाद भी कपटपूर्ण लेन-देन जारी रहता है, तो आपके **बैंक को उन राशियों की प्रतिपूर्ति करनी होगी।**

यदि आप रिपोर्टिंग में देरी करते हैं, तो आपका घाटा बढ़ जाएगा और यह **आरबीआई के दिशानिर्देशों और आपके बैंक के बोर्ड द्वारा** अनुमोदित राशि **नीति के आधार पर तय किया जाएगा।**

बैंक को आपकी शिकायत प्राप्ति की तारीख से **90 दिनों के भीतर सुलझानी** होती है, अगर **समाधान न होने पर या संतोष जनक जवाब न मिलने पर** शिकायतकर्ता बैंक की **शिकायत बैंक के ओम्बड्समैन** को भी कर सकता है। इसकी जानकारी आप यहाँ से (RBI) ले सकते है।
https://rbi.org.in/scripts/FAQView.aspx?Id=24

Empowering Youth through Community Service

सावधान रहें सुरक्षित रहे!

अपने मित्रों व रिश्तेदारों के साथ इस मैगज़ीन को शेयर जरूर करे।

हमसे लगातार साइबर अपडेट्स पाने के लिए इस QR कोड को स्कैन कर, और हमारे आधिकारिक चैनल/ग्रुप को सब्सक्राइब करे।

SUBSCRIBE

Click to Check Out some interesting video on YouTube
https://www.youtube.com/@collcom

For volunteering, Type **Join** and Send it on **WhatsApp +91-9868189955**

संस्थापक के बारे में

DR GAURAV KUMAR

(Founder and Director of CollCom, Asst Prof at Bennett University, Greater Noida)

डॉ गौरव वर्तमान में बेनेट विश्वविद्यालय (टाइम्स ग्रुप), ग्रेटर नॉएडा, उत्तर प्रदेश में कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग में सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं । वह एक सामाजिक उद्यमी और CollCom (कॉलेज कम्युनिटी सोशल वेंचर) के संस्थापक और राष्ट्रीय सेवा योजना बेनेट विश्वविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी भी है। डॉ कुमार हमारे देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से कंप्यूटर विज्ञान में एम.टेक और पीएचडी पूरी की है। अपनी शिक्षा के दौरान, वह सामाजिक गतिविधियों में काफी सक्रिय थे जैसे स्लम बस्ती में बच्चों को पढ़ाना, Waste मैनेजमेंट, वृक्षारोपण अभियान, रक्त दान, स्वास्थ्य, योग और फिटनेस के लिए सभी को जागरूक करना जैसे विषय पर काफी काम किया है ।

उनके इस अथक प्रयास के लिए उन्हें विश्वविद्यालय से स्वर्ण पदक पुरस्कार और मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार से सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवी (बेस्ट वालंटियर अवार्ड) का पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है। कोविड के समय में डॉ कुमार शांत नहीं बैठे । उन्होंने प्लाज्मा और ऑक्सीजन सपोर्ट के लिए लोगों की मदद करने का काम शुरू किया। उन्होंने देखा की हर व्यक्ति, बच्चे से लेकर बूढ़े तक, सभी लोग अपने दैनिक कार्य करने के लिए इंटरनेट पर निर्भर होते जा रहे है। जल्द ही, उन्हें इंटरनेट की दुनिया में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराध के बारे में जागरूकता की कमी के महत्व का एहसास हुआ। उन्होंने साइबर अपराध जागरूकता पर एक मेगा अभियान शुरू किया। उन्होंने विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों (ऑफ़लाइन और ऑनलाइन) का दौरा करना शुरू किया और साइबर अपराध जागरूकता पर 35 से अधिक कार्यशालाएँ की । उन्होंने एक छोटा और बहुत ही अभिनव ऑनलाइन सेल्फ गाइड साइबर क्राइम अवेयरनेस ट्रेनिंग मॉड्यूल विकसित किया, जिसमें अभी तक 52,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया और लाभान्वित हुए ।

उनका लक्ष्य अगले दो वर्षों में हमारे देश के 10 लाख लोगों को इंटरनेट की दुनिया में सशक्त बनाना है।

संपादक के संदेश..

MR. PRITESH MISHRA

(National Coordinator, CollCom)

किसी व्यक्ति के साथ फ्रॉड होने का अर्थ ये कदापि नहीं है की वो शिक्षित नहीं है, केवल सीधा सा अर्थ है वो उस बात से अनभिज्ञ/जागरूक नही था । अतः फ्रॉड होने के स्थिति में आप सबसे पहले ज़रा भी न घबराए, परिवार वाले डाटेंगे या मित्र क्या कहेंगे ? ये कदापि न सोचे या कोई भी गलत फैसला न ले, समय रहते यदि आप शिकायत दर्ज करवा देते है तो आपके पैसे मिलने के अवसर बढ़ जाते है ।

अब तो RBI के दिशा निर्देश के अनुसार आप फ्रॉड होने के तुरंत बाद यदि अपने संबंधित बैंक में शिकायत दर्ज कराते है तो वो 90 दिन के भीतर ही आपकी समस्या सुलझाने का प्रयास करते है। परंतु आप को यहां तक पहुंचने की आवश्यकता ही क्या है, बस थोड़ी सी सावधानी के साथ आप अपने और अपने से संबंधित लोगों को साइबर अपराध से बचा सकते हैं ।

एक फ्रॉडस्टर आपसे OTP और pin को निकलवाने के विभिन्न तरीके अपनाता है, आप देखेंगे कि अंततोगत्वा वो आपसे पैसे की मांग करते है, चाहे वो रजिस्ट्रेशन शुल्क के रूप में हो या कंपनी से जुड़ने के आईडी कार्ड बनानी हो, बस आपको यही समझना है की किसी भी नौकरी से जुड़ने के लिए किसी भी प्रकार से पैसे देने की आवश्यकता नहीं होती है ।

समय-समय पर आपको साइबर से संबंधित जानकारी हम अपने ऑफिशियल वेबसाइट/ सोशल मीडिया/यूट्यूब वीडियो के माध्यम से साझा करते रहेगें ।

जागरूक रहें, सुरक्षित रहें !

सलाहकार सदस्य

Dr Anil Kumar Singh
(Asst. Professor, Jawaharlal Nehru University)

Shri Anshumali Sharma
(Ex-State Liaison Officer (SLO) NSS, Uttar Pradesh)

Dr. Sanjeev Sharma
(Associate Professor, JNU, New Delhi)

Shri Gautam Kumar
(Executive Engineer, WRD, Govt of Bihar)

Shri Amrish Kumar Niranjan
(Youth Assistant, NSS, Delhi)

Shri Sintoo Kumar
(TGT Teacher, Govt of Delhi)

Shri OP Mishra
(Entrepreneur and Director of Jetex Infotech)

Shri Ranjan Kumar
(Senior Product Manager, Microsoft)

कार्यकारी सदस्य

Dr Gaurav Kumar
(Founder and Director, CollCom)

Mr Priteesh Kumar
(Asst. Director-Collaboration, CollCom)

Shri Satya Mishra
(Asst. Director-Marketing, CollCom)

Mr Pritesh Mishra
(National Coordinator, CollCom)

Mr Sumit Kumar
(State Coordinator, CollCom)

Ms Shweta Kumari
(Social Media Head, CollCom)

WWW.COLLCOM.ORG

मैगज़ीन के पिछले संस्करण

Sept,2023

Aug,2023

July,2023

June,2023

May,2023

April,2023

March,2023

FEB,2023

JAN,2023

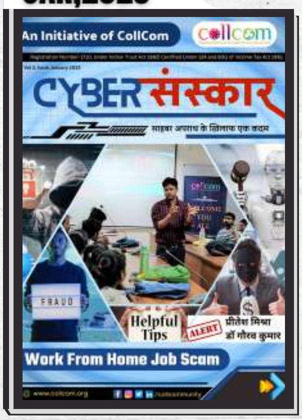

DEC,2022

किसी भी मैगजीन को पढ़ने के लिए उस मैगजीन पर क्लिक करे।

पढ़ने के बाद अपना सुझाव अवश्य दे।

https://g.page/r/CZmEUz-HXMeOEAI/review